नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
*(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)*

---

## पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर
## केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का व्याख्यान

वर्धा, दि. 21 सितंबर 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की ओर से एकात्म मानव दर्शन के दृष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार, 25 सितंबर को 'तुलनात्मक धर्म की भारतीय दृष्टि : दाराशिकोह से दीनदयाल तक' विषय पर तुलनात्मक धार्मिक परंपरा के प्रखर विद्वान केरल राज्य के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का ऑनलाईन विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। श्री आरिफ मोहम्मद खान तुलनात्मक धर्म एवं भारतीय संस्कृति के ख्यातिलब्ध विद्वान होने के साथ ही दुनिया में धार्मिक विचारों की सही व्याख्या करने के लिए जाने जाते हैं।

भारत प्राचीन काल से अब तक ऐसे महापुरूषों की धरती रही है जिसमें प्रमुख नाम दाराशिकोह दीनदयाल जी का भी है । दाराशिकोह की दृष्टि सर्वधर्म समभाव की थी । इतिहास में दाराशिकोह को तत्कालीन सबसे महान मुक्त विचारकों, बहुमुखी व्यक्तित्व का धनी, विद्वान, सुफी और कला तथा धर्म की गहरी समझ रखने वाले शासक के रूप में याद किया जाता है । दाराशिकोह ने 'समुद्रसंगम (मज्म-उल-बहरैन) नाम से संस्कृत में भी रचना करने के साथ ही 52 उपनिषदों का अनुवाद –सिर्र-ए-अकबर' के नाम से किया। राजनीति में संस्कृति के दूत पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारत में एक ऐसे मनीषी, विचारक, दार्शनिक के रूप में याद किए जाते है जिन्होंने समावेशी विचारधारा के आधार पर एकात्म मानवदर्शन एवं अन्त्योदय तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद वैचारिकी के द्वारा राष्ट्र, समाज और अंतिम व्यक्ति के उत्थान व सनातन भारतीय परंपरा को प्रशस्त किया है।

---

## पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती निमित्त
## केरळचे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान यांचे व्याख्यान

वर्धा, दि. 21 सप्टेंबर 2020 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या वतीने एकात्म मानव तत्वज्ञानाचे पंडित दीनदयाल उपाध्याय यांच्या जयंती निमित्त शुक्रवार, 25 सप्टेंबर रोजी 'तुलनात्मक धर्माची भारतीय दृष्टी : दाराशिकोह पासून दीनदयाल पर्यंत' या विषयावर तुलनात्मक धार्मिक परंपरेचे प्रखर विद्वान केरळ राज्याचे माननीय राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान यांचे ऑनलाईन विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करण्यात आले आहे. श्री आरिफ मोहम्मद खान तुलनात्मक धर्म आणि भारतीय संस्कृतीचे ख्यातिलब्ध विद्वान असून ते जगामध्ये धार्मिक विचारांची योग्य व्याख्या करण्यासाठी ओळख जातात. भारत प्राचीन काळापासून आतापर्यंत अशा महापुरूषांची धरती राहिलेला आहे ज्यात प्रमुख नाव दाराशिकोह व दीनदयाल यांची आहेत. दाराशिकोह यांची दृष्टी सर्वधर्म समभावाची

होती. इतिहासात दाराशिकोह यांचे मुक्त विचारक, बहुमुखी व्यक्तित्वाचे धनी, विद्वान, सुफी आणि कला तथा धर्म या विषयांची खोलवर जान असणारे शासक म्हणून स्मरण केले जाते. दाराशिकोह यांनी 'समुद्रसंगम (मज्म-उल-बहरैन) नावाने संस्कृत मध्ये रचना करण्याबरोबरच 52 उपनिषदांचा अनुवाद –सिर्र-ए-अकबर' केला आहे. राजकारणात संस्कृतीचे दूत पंडित दीनदयाल उपाध्याय यांचे एक विचारवंत, तत्ववेत्ता म्हणून स्मरण केले जाते. दीनदयाल उपाध्याय यांनी समावेशी, विचारधारेच्या आधारे एकात्म मानवदर्शन आणि अंत्योदय तसेच सांस्कृतिक राष्ट्रवादाच्या माध्यमातून राष्ट्र, समाज आणि अंतिम व्यक्तिचे उत्थान व सनातन भारत परंपरा प्रशक्त केली आहे.